बिल्ली

म्याऊँ-म्याऊँ

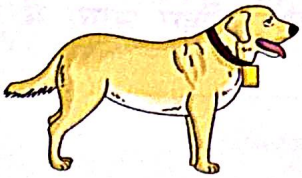

कुत्ता

भौं-भौं

कौआ

काँव-काँव

बकरी

मैं-मैं

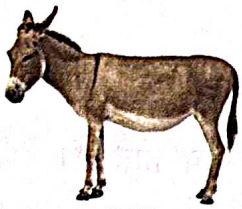

गधा

ढेंचू-ढेंचू

मेढक

टर्र-टर्र

हमने सीखा

- हम भाषा के द्वारा ही मन की बातों को दूसरों तक पहुँचा सकते हैं और दूसरों की बातों को समझ सकते हैं।
- भाषा के **दो** रूप होते हैं– **मौखिक** और **लिखित**।
- जीव-जंतुओं की भी बोलियाँ होती हैं।

आओ अभ्यास करें

1. सही उत्तर के सामने सही (✓) का निशान लगाइए–

क. निशा भाषा के किस रूप का प्रयोग कर रही है?

मौखिक ☐ लिखित ☑

ख. रोहन भाषा के किस रूप का प्रयोग कर रहा है?

मौखिक ☑ लिखित ☐

2. हम दिनभर मौखिक भाषा या लिखित भाषा में से किसका प्रयोग अधिक करते हैं?

मौखिक भाषा

3. खाली स्थान भरिए–

क. हम भाषा की मदद से अपनी बात दूसरों को बताते हैं।

ख. जब हम बोलते हैं तो दूसरा सुन कर समझता है।

ग. जब हम लिखते हैं तो दूसरा पढ़ कर समझता है।

घ. भाषा के दो रूप होते हैं।

4. चित्रों के अनुसार उनकी बोलियों का मिलान कीजिए–